12.07 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) Need for surveying villages in Vidisha for solving water scarcity problem.

श्री प्रताप भानु शर्मा (विदिशा) : उपाध्यक्ष महोदय, बीससूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल समस्या को हल करने के लिए युद्ध स्तर पर जो प्रयास किए जा रहे हैं उसके लिए केन्द्र एवं मध्य प्रदेश सरकार दोनों ही बधायी के पात्र हैं। विगत चार वर्षों में विदिशा संसदीय क्षेत्र के ग्रामीण अंचल में करीब 1050 नये हैण्ड पम्प लगाए गए हैं एवं 30-35 जल प्रदाय योजनायें चालू की गई हैं जोकि निश्चित रूप से एक सराहनीय कार्य हुआ है। परन्तु हाल ही के जन-सम्पर्क दौरे में क्षेत्र के ग्रामवासियों की ओर से कुछ नई समस्यायें एवं सुझाव प्राप्त हुए हैं जो इस प्रकार हैं :—

1. विदिशा जिले में स्वीकृत जल प्रदाय योजनाओं को शीघ्र पूर्ण कर आगामी गर्मियों तक पेयजल आवश्यक रूप से उपलब्ध कराना चाहिए।

2. रायसेन के समस्यामूलक ग्रामों में नल जल योजना की मांग की गयी क्योंकि वे पहाड़ों पर स्थित हैं तथा जल स्रोत गांव से बहुत दूरी पर हैं। उनके लिए स्वीकृत जल प्रदाय योजनाओं का कार्य शीघ्र किया जाना चाहिए।

3. ग्यारसपुर, गुलाबगंज, शाहगंज एवं बुधनी मेरे क्षेत्र के बड़े कस्बे हैं जहां की जल प्रदाय योजनाएं संतोषपूर्ण ढ़ंग से नहीं चल रही हैं। अतः मेरा सुझाव है कि उक्त योजनाओं के लिए आवर्धन कर नये सिरे से पूर्ण की जानी चाहिए।

4. मेरा केन्द्रीय आवास एवं निर्माण मन्त्री से अनुरोध है कि वर्ष 1984-85 में पूरे देश में जिला स्तर पर समस्यामूलक ग्रामों का पता लगाने के लिए पुनः सर्वेक्षण किया जाना चाहिए ताकि अन्य ग्रामों में भी पेयजल सुविधा उपलब्ध की जा सके।

(ii) Need to discontinue the practice of holding competitive examination for Central Services on Sundays.

SHRI BAJUBAN R. KHARLUKHI (Shillong) : Christian tribals of the north-eastern region desirous to appear at the various competitive examinations for recruitment to the Central Services have expressed resentment over the practice of holding examinations on Sundays. They are of the impression that their religious sentiment was not respected and that such practice was a calculated device of depriving them on opportunity to enter into the Central Services.

The Christian tribal population who constitute an insignificant minority in the vast population of India require special protection and equal opportunities for their entering into the Central Services must be thrown open in keeping with the secular character of the Constitution.

The Government of India should take immediate steps to discontinue the practice of holding examinations on Sundays and issue necessary directives/orders to all Central offices in the country to ensure that the practice is not repeated.

MR. DEPUTY-SPEAKER : Only statemant under Rule 377 is to be recorded and nothing else.